>

Title: Regarding losses caused due unprecedented flood calamities in Laddakh.

श्री हसन खान (लद्दाख): सभापति महोदय, लद्दाख में भयानक अनप्रेसीडेंटेड नेचुरल केलैमिटीज के बारे में मैंने जीरो ऑवर के लिये सुबह नोटिस दिया था जहां तबाही हुई है। इस बात से आगाह करने के लिये मैं सुबह कहना चाहता था लेकिन कामनवैल्थ गेम्स की बहस के कारण मुझे टाईम नहीं मिल सका। बहरहाल, मैं इस हाऊस के जरिये सरकार से गुजारिश करना चाहता हूं कि दो दिन से लद्दाख में नेचुरल बर्स्ट हुआ है और काफी तबाही हुई है। इस बारे में और खबरे आ रही हैं कि लेह के 6-7 गांवों में लोगों के जान-माल और सड़कों का नुकसान हुआ है। लद्दाख की हिस्ट्री में अभी तक ऐसा नहीं हुआ था। इस अनप्रेसीडेंटेड नेचुरल कलैमिटीज के वजह से पूरा लद्दाख मुल्क से कट चुका है। सड़कें और पुल बह गये हैं। हवाई अड्डे पर भी हवाई जहाज लैंड नहीं कर सकता है। बीएसएनएल का कम्युनिकेशन नैटवर्क तबाह हो चुका है। अब हमें इत्तलाह मिल रही है। मैं आपकी मार्फत सरकार से गुजारिश करूंगा कि सैंट्रल गवर्नमेंट के लैवल से वारफुटिंग पर रैस्टोरेशन और रिहैब्लिटेशन का काम शुरु क्या जाये।

सभापति जी, लद्दाख मुल्क के बाकी हिस्सों से 6-7 महीने तक कट आफ रहता है और यही वे महीने हैं जो हमें मिलते हैं जब हम ट्रंसपोरटेशन के जरिये सामान लाने का काम करते हैं, डैवलेपमेंट काम किया जाता है और खासकर सैंकड़ों-हज़ारों टूरिस्ट्स वहां आते हैं। देहात के लोग इन्हीं महीनों में अपना राशन पानी का सामान ट्रासपोर्ट से लाकर रखते हैं। ऐसे मौके पर आज लद्दाख देश के हिस्सों से कट गया है। कम्युनिकेशन नेटवर्क तबाह हो चुका है। इसमें कोई शक नहीं कि पूरा इलाका दुख +ा◌ार गम में पड़ा हुआ है। अभी तक कम से कम 150 लाशें मलबे से निकाली जा चुकी हैं। अभी और लाशें निकलने का अंदेशा है क्योंकि पहाड़ के पहाड़ गिरकर आये हैं जिसमें और लोग दबे हो सकते हैं। डिस्ट्रिक्ट हॉस्पीटल खराब हो चुका है। यहां तक कि मरीजों को आर्मी हॉस्पीटल में शिफ्ट किया जा चुका है। बीएसएनएल का दफ्तर बह चुका है जिसकी वजह से पूरा नैटवर्क खत्म हो चुका है।

इन शॉर्ट केस ऐसी तबाही वहां के लोगों ने आज तक नहीं देखी है। इसके लिए मेरी सेंट्रल गवर्नमेंट की सारी एजेंसीज़, जो इन चीजों के लिए काम करती हैं से यही गुजारिश होगी। यह स्टेट गवर्नमेंट की हद से, ताकत से बाहर है। बीआरओ रोड्स को ठीक कर सकते हैं, इसी तरीके से हवाई पट्टी, हवाई अड्डे को ठीक करने की जरूरत है। बीएसएनएल के जो नेटवर्क खराब हो गये हैं, उन्हें तत्काल किसी न किसी तरीके से रेस्टोर करने की जरूरत है। रिलीफ और रिहैबिलिटेशन का जो काम है, इन हालात को देखते हुए उसे वार फुटिंग पर लेने की जरूरत है। उन इलाकों में, पहाड़ों में रहने वाले लोगों के लिए इससे बड़ी मुसीबत आज तक देखने को नहीं मिली है। अचानक, वह भी रात के साढ़े बारह बजे, जब लोग सोये हुए थे तो पहाड़ के पहाड़ गिरे और मकान, पुल, अस्पताल आदि जो भी हैं, वह सब बहाकर ले गये हैं। मेरी सरकार से यही गुजारिश है कि जितनी भी एजेंसीज़ हैं, उन्हें वार फुटिंग पर निर्देश दिया जाये कि जितनी जल्दी हो सके, इसे रेस्टोर करें। जो लोग मरे हैं या जिनका नुकसान हुआ है, उनके लिए जो मदद हो सके, वह जल्दी से जल्दी दी जाये। हमारे पास उस एरिया में समय बहुत कम है। जैसा कि आप जानते हैं कि सर्द इलाका है, उसके बाद बर्फबारी शुरू होगी, तापमान मायनस में चला जायेगा, यही एक-दो महीने रेस्टोरेशन के लिए बचते हैं, इसे दुबारा किसी हद तक अपनी जगह लाने के लिए। इन्हीं अल्फाज़ के साथ मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं। धन्यवाद।

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): सारा सदन आपके साथ है।